Sample

13 Aug 1990

05:30 AM

Delhi

Model: Web-VarshDetails

SrNo: 101-111-105-1030 / 168

Phone: +91-341-2668022
Mobile : +91 -9732150484
Whatsapp : +91 -9732150484

RATNA JYOTI®

Website: https://www.ratnajyoti.com/
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
12-13/08/1990	जन्म तिथि	**13/08/2019**
रवि-सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 05:30:00	जन्म समय	15:53:59 घंटे
घटी 59:08:14	जन्म समय(घटी)	25:07:22 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Nagpur
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	21:10:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	79:12:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:13:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:50:42	सूर्योदय	05:51:02
18:44:45	सूर्यास्त	18:44:46
23:43:48	चित्रपक्षीय अयनांश	24:07:36
कर्क	लग्न	धनु
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मेष	राशि	मकर
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
भरणी	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	2
वृद्धि	योग	आयुष्मान
बव	करण	गर
लू-लूनेश	जन्म नामाक्षर	भो-भोली
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
गज	योनि	नकुल
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मूषक
29	गत/तत्कालिक वर्ष	30

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व अ	ग्रह	व अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
आश्लेषा	2	21:23:23	कर्क		लग्न		धनु	12:27:53	4	मूल
आश्लेषा	3	26:16:27	कर्क		सूर्य		कर्क	26:16:27	3	आश्लेषा
भरणी	2	17:30:20	मेष		चंद्र		मक	03:15:40	2	उत्तराषाढ़ा
भरणी	4	26:12:12	मेष		मंगल	अ	सिंह	02:49:59	1	मघा
पू०फाल्गुनी	4	23:36:00	सिंह		बुध		कर्क	07:48:45	2	पुष्य
पुष्य	1	05:07:53	कर्क		गुरु		वृश्चि	20:23:01	2	ज्येष्ठा
पुष्य	1	05:08:52	कर्क		शुक्र	अ	कर्क	26:02:50	3	आश्लेषा
पूर्वाषाढ़ा	4	26:16:31	धनु	व	शनि	व	धनु	20:46:47	3	पूर्वाषाढ़ा
श्रवण	2	13:29:45	मक	व	राहु	व	मिथु	23:17:58	1	पुनर्वसु
पुष्य	4	13:29:45	कर्क	व	केतु	व	धनु	23:17:58	3	पूर्वाषाढ़ा
मूल	4	12:18:08	धनु	व	मु		धनु	21:23:23	3	पूर्वाषाढ़ा

वर्ष - विवरण

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:36

लग्न-चलित

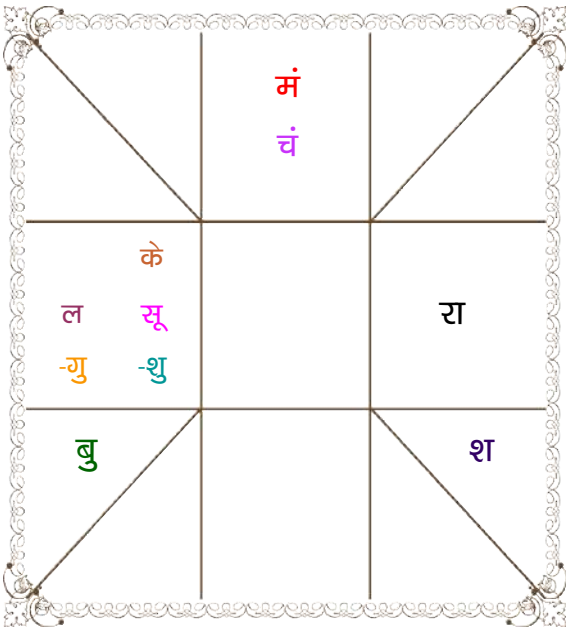

वर्ष लग्न कुंडली

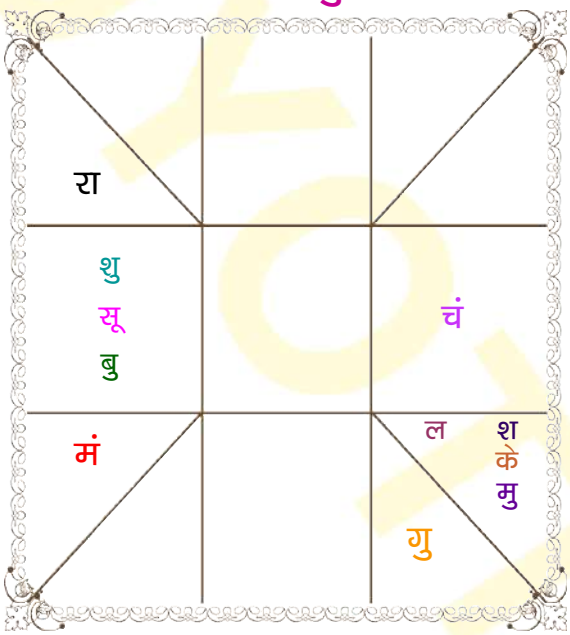

चन्द्र कुंडली

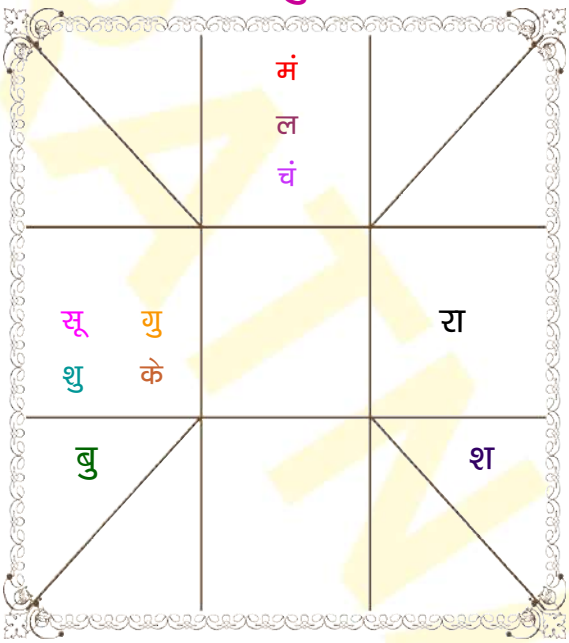

वर्ष चन्द्र कुंडली

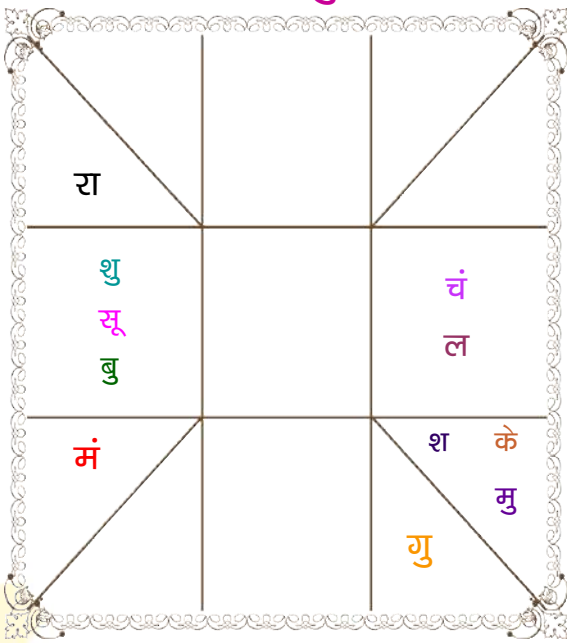

नवमांश कुंडली

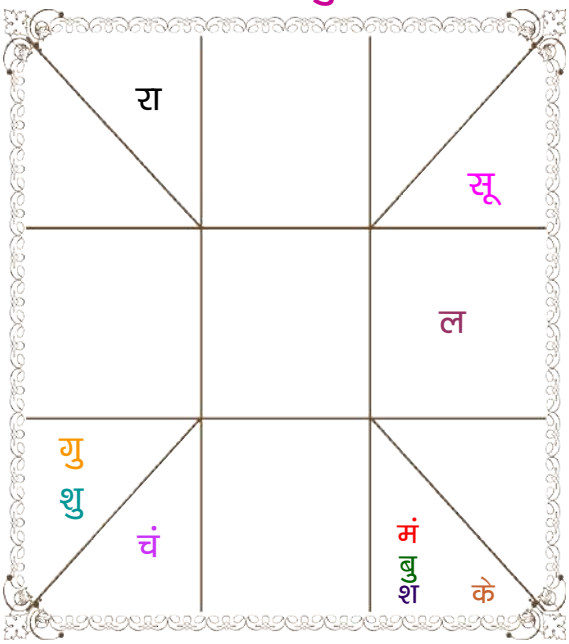

वर्ष नवमांश कुंडली

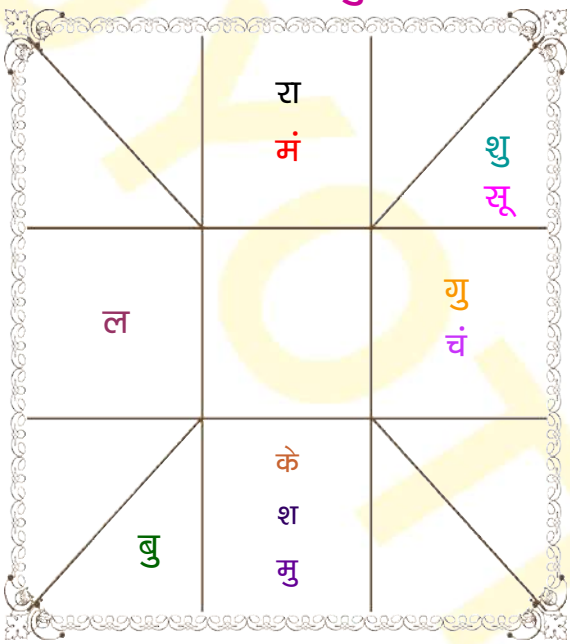

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम
चन्द्र	शत्रु	---	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम
मंगल	सम	सम	---	सम	शत्रु	सम	मित्र
बुध	शत्रु	शत्रु	सम	---	मित्र	शत्रु	सम
गुरु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	---	सम
शनि	सम	सम	मित्र	सम	सम	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	धनु	कर्क	मक	सिंह	कर्क	वृश्चि	कर्क	धनु
होरा	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	कर्क	कर्क	मीन	कुंभ	वृष	वृष	कर्क	कुंभ
चतुर्थांश	मीन	मेष	मक	सिंह	तुला	वृष	मेष	मिथु
पंचमांश	धनु	वृश्चि	वृष	मेष	कन्या	मक	वृश्चि	मिथु
षष्ठांश	मिथु	मीन	तुला	मेष	वृश्चि	कुंभ	मीन	सिंह
सप्तमांश	कुंभ	कर्क	कर्क	सिंह	कुंभ	कन्या	कर्क	मेष
अष्टमांश	सिंह	वृश्चि	मेष	सिंह	मिथु	मक	तुला	तुला
नवमांश	कर्क	कुंभ	मक	मेष	कन्या	मक	कुंभ	तुला
दशमांश	मेष	वृश्चि	तुला	सिंह	वृष	मक	वृश्चि	मिथु
एकादशांश	मीन	मीन	मक	सिंह	सिंह	वृष	मीन	मिथु
द्वादशांश	मेष	वृष	कुंभ	कन्या	तुला	कर्क	वृष	सिंह

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
होरा	स्व	स्व	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम
द्रेष्काण	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	सम	सम	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम
पंचमांश	सम	शत्रु	स्व	स्व	सम	सम	सम
षष्ठांश	मित्र	शत्रु	स्व	सम	सम	मित्र	सम
सप्तमांश	शत्रु	स्व	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
अष्टमांश	सम	सम	सम	स्व	सम	स्व	सम
नवमांश	सम	सम	स्व	स्व	सम	सम	सम
दशमांश	सम	शत्रु	सम	शत्रु	सम	सम	सम
एकादशांश	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	सम
द्वादशांश	शत्रु	सम	सम	शत्रु	मित्र	स्व	सम
शुभ	3	3	4	3	6	4	2
सम	5	6	8	2	5	4	10
अशुभ	4	3	0	7	1	4	0
कुल	अशुभ	सम	शुभ	अशुभ	शुभ	सम	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	0	5	0	5	5	5	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	5	5	5	5	10	5	5
बल	क्षीण	क्षीण	क्षीण	क्षीण	सामान्य	क्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	15.00	15.00	7.50	7.50	7.50	15.00
उच्च बल	8.19	6.70	0.54	12.53	4.96	6.77	13.25
हददा बल	7.50	3.75	3.75	3.75	15.00	7.50	11.25
द्रेष्काण	2.50	7.50	7.50	2.50	7.50	2.50	10.00
नवमांश	2.50	2.50	5.00	5.00	2.50	2.50	2.50
कुल	28.19	35.45	31.79	31.28	37.46	26.77	52.00
विंशोपक	7.05	8.86	7.95	7.82	9.36	6.69	13.00
बल	सामान्य	सामान्य	सामान्य	सामान्य	सामान्य	सामान्य	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	चंद्र	8.86	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	गुरु	9.36	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	गुरु	9.36	दृष्टि नहीं	शनि
दिवापति	चंद्र	8.86	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	शनि	13.00	दृष्टि नहीं	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	वृष	19:27:07	शुक्र	22/06/2020
गुरु	सिंह	05:28:39	सूर्य	22/08/2019
ज्ञान	सिंह	05:28:39	सूर्य	22/08/2019
यश	कर्क	13:23:47	चन्द्र	13/03/2020
मित्र	तुला	12:04:23	शुक्र	11/10/2019
माहात्म्य	कन्या	29:05:01	बुध	24/10/2019
आशा	वृष	07:11:50	शुक्र	09/06/2020
समर्थ	वृष	00:00:55	शुक्र	01/06/2020
भातृ	धनु	12:04:07	गुरु	30/08/2019
गौरव	मिथुन	13:23:47	बुध	18/08/2020
राजा	वृष	06:58:14	शुक्र	08/06/2020
पितृ	वृष	06:58:14	शुक्र	08/06/2020
मातृ	वृष	19:40:43	शुक्र	22/06/2020
सुत	वृश्चिक	29:35:14	मंगल	10/11/2019
जीव	मकर	12:51:39	शनि	03/09/2019
अम्बु	वृष	19:40:43	शुक्र	22/06/2020
कर्म	कुम्भ	07:29:07	शनि	03/10/2019
रोग	वृश्चिक	21:40:06	मंगल	04/11/2019
कामदेव	मकर	25:20:33	शनि	15/09/2019
कलि	वृष	00:00:55	शुक्र	01/06/2020
क्षेम	वृष	00:00:55	शुक्र	01/06/2020
शास्त्र	मिथुन	07:24:59	बुध	11/08/2020
बन्धु	कर्क	17:00:58	चन्द्र	17/03/2020
बंधक	मिथुन	07:54:48	बुध	12/08/2020
मृत्यु	सिंह	03:50:44	सूर्य	20/08/2019

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	कुम्भ	06:22:49	शनि	01/10/2019
अर्थ	कुम्भ	08:00:44	शनि	03/10/2019
परदारा	धनु	12:14:17	गुरु	30/08/2019
अन्यकर्म	मकर	24:56:46	शनि	15/09/2019
वणिक	मिथुन	07:54:48	बुध	12/08/2020
कार्यसिद्धि	मिथुन	27:46:01	बुध	03/09/2020
विवाह	सिंह	17:43:56	सूर्य	04/09/2019
प्रसूति	वृष	25:02:09	शुक्र	28/06/2020
संताप	वृष	03:50:44	शुक्र	05/06/2020
श्रद्धा	धनु	05:40:45	गुरु	25/08/2019
प्रीति	मीन	28:29:26	गुरु	03/01/2020
बल	कर्क	13:23:47	चन्द्र	13/03/2020
देह	कर्क	13:23:47	चन्द्र	13/03/2020
जाडय	कुम्भ	19:51:57	शनि	16/10/2019
व्यापार	कुम्भ	07:29:07	शनि	03/10/2019
जलपतन	कुम्भ	19:51:57	शनि	16/10/2019
शत्रु	सिंह	24:31:05	सूर्य	11/09/2019
शौर्य	कन्या	29:05:01	बुध	24/10/2019
उपाय	मकर	12:51:39	शनि	03/09/2019
दरिद्रता	वृष	19:27:07	शुक्र	22/06/2020
गुरुता	सिंह	26:11:26	सूर्य	13/09/2019
जलपथ	सिंह	06:41:06	सूर्य	23/08/2019
बंधन	मिथुन	11:08:13	बुध	15/08/2020
कन्या	सिंह	05:15:03	सूर्य	22/08/2019
अश्व	सिंह	13:22:02	सूर्य	30/08/2019

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

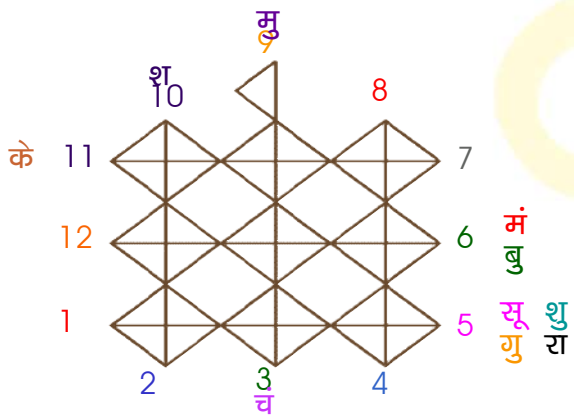

पात्यंश दशा

मंगल		चंद्र		बुध		लग्न		गुरु	
13/08/2019		22/09/2019		27/09/2019		30/11/2019		02/02/2020	
22/09/2019		27/09/2019		30/11/2019		02/02/2020		23/05/2020	
मंगल	17/08/2019	चंद्र	22/09/2019	बुध	08/10/2019	लग्न	11/12/2019	गुरु	07/03/2020
चंद्र	18/08/2019	बुध	23/09/2019	लग्न	20/10/2019	गुरु	31/12/2019	शनि	08/03/2020
बुध	25/08/2019	लग्न	24/09/2019	गुरु	08/11/2019	शनि	01/01/2020	शुक्र	30/03/2020
लग्न	01/09/2019	गुरु	26/09/2019	शनि	09/11/2019	शुक्र	14/01/2020	सूर्य	31/03/2020
गुरु	13/09/2019	शनि	26/09/2019	शुक्र	21/11/2019	सूर्य	14/01/2020	मंगल	12/04/2020
शनि	13/09/2019	शुक्र	27/09/2019	सूर्य	22/11/2019	मंगल	21/01/2020	चंद्र	14/04/2020
शुक्र	21/09/2019	सूर्य	27/09/2019	मंगल	29/11/2019	चंद्र	22/01/2020	बुध	03/05/2020
सूर्य	22/09/2019	मंगल	27/09/2019	चंद्र	30/11/2019	बुध	02/02/2020	लग्न	23/05/2020

शनि		शुक्र		सूर्य		सूर्य		सूर्य	
23/05/2020		28/05/2020		09/08/2020		09/08/2020		09/08/2020	
28/05/2020		09/08/2020		12/08/2020		12/08/2020		12/08/2020	
शनि	23/05/2020	शुक्र	12/06/2020	सूर्य	09/08/2020	सूर्य	09/08/2020	सूर्य	09/08/2020
शुक्र	24/05/2020	सूर्य	12/06/2020	मंगल	10/08/2020	मंगल	10/08/2020	मंगल	10/08/2020
सूर्य	24/05/2020	मंगल	20/06/2020	चंद्र	10/08/2020	चंद्र	10/08/2020	चंद्र	10/08/2020
मंगल	24/05/2020	चंद्र	21/06/2020	बुध	10/08/2020	बुध	10/08/2020	बुध	10/08/2020
चंद्र	24/05/2020	बुध	04/07/2020	लग्न	11/08/2020	लग्न	11/08/2020	लग्न	11/08/2020
बुध	25/05/2020	लग्न	17/07/2020	गुरु	12/08/2020	गुरु	12/08/2020	गुरु	12/08/2020
लग्न	26/05/2020	गुरु	08/08/2020	शनि	12/08/2020	शनि	12/08/2020	शनि	12/08/2020
गुरु	28/05/2020	शनि	09/08/2020	शुक्र	12/08/2020	शुक्र	12/08/2020	शुक्र	12/08/2020

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

चंद्र		मंगल		राहु		गुरु		शनि	
13/08/2019		13/09/2019		04/10/2019		28/11/2019		15/01/2020	
13/09/2019		04/10/2019		28/11/2019		15/01/2020		13/03/2020	
चंद्र	16/08/2019	मंगल	14/09/2019	राहु	12/10/2019	गुरु	04/12/2019	शनि	25/01/2020
मंगल	17/08/2019	राहु	17/09/2019	गुरु	19/10/2019	शनि	12/12/2019	बुध	02/02/2020
राहु	22/08/2019	गुरु	20/09/2019	शनि	28/10/2019	बुध	19/12/2019	केतु	05/02/2020
गुरु	26/08/2019	शनि	23/09/2019	बुध	05/11/2019	केतु	22/12/2019	शुक्र	15/02/2020
शनि	31/08/2019	बुध	26/09/2019	केतु	08/11/2019	शुक्र	30/12/2019	सूर्य	18/02/2020
बुध	04/09/2019	केतु	28/09/2019	शुक्र	17/11/2019	सूर्य	01/01/2020	चंद्र	22/02/2020
केतु	06/09/2019	शुक्र	01/10/2019	सूर्य	20/11/2019	चंद्र	05/01/2020	मंगल	26/02/2020
शुक्र	11/09/2019	सूर्य	02/10/2019	चंद्र	24/11/2019	मंगल	08/01/2020	राहु	06/03/2020
सूर्य	13/09/2019	चंद्र	04/10/2019	मंगल	28/11/2019	राहु	15/01/2020	गुरु	13/03/2020

बुध		केतु		शुक्र		सूर्य		चंद्र	
13/03/2020		04/05/2020		25/05/2020		25/07/2020		12/08/2020	
04/05/2020		25/05/2020		25/07/2020		12/08/2020		00/00/0000	
बुध	21/03/2020	केतु	05/05/2020	शुक्र	04/06/2020	सूर्य	26/07/2020	चंद्र	12/08/2020
केतु	24/03/2020	शुक्र	09/05/2020	सूर्य	07/06/2020	चंद्र	28/07/2020		00/00/0000
शुक्र	01/04/2020	सूर्य	10/05/2020	चंद्र	13/06/2020	मंगल	29/07/2020		00/00/0000
सूर्य	04/04/2020	चंद्र	12/05/2020	मंगल	16/06/2020	राहु	31/07/2020		00/00/0000
चंद्र	08/04/2020	मंगल	13/05/2020	राहु	25/06/2020	गुरु	03/08/2020		00/00/0000
मंगल	11/04/2020	राहु	16/05/2020	गुरु	03/07/2020	शनि	06/08/2020		00/00/0000
राहु	19/04/2020	गुरु	19/05/2020	शनि	13/07/2020	बुध	08/08/2020		00/00/0000
गुरु	26/04/2020	शनि	22/05/2020	बुध	22/07/2020	केतु	09/08/2020		00/00/0000
शनि	04/05/2020	बुध	25/05/2020	केतु	25/07/2020	शुक्र	12/08/2020		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - शुक्र - गुरु		चंद्र - शुक्र - शनि		चंद्र - शुक्र - बुध		चंद्र - शुक्र - केतु	
14/01/2019 09:58		05/04/2019 13:58		10/07/2019 23:13		05/10/2019 04:58	
05/04/2019 13:58		10/07/2019 23:13		05/10/2019 04:58		09/11/2019 17:13	
गुरु	25/01/2019 05:42	शनि	20/04/2019 20:14	बुध	23/07/2019 04:26	केतु	07/10/2019 06:41
शनि	07/02/2019 02:08	बुध	04/05/2019 11:56	केतु	28/07/2019 05:10	शुक्र	13/10/2019 04:43
बुध	18/02/2019 14:06	केतु	10/05/2019 02:53	शुक्र	11/08/2019 14:07	सूर्य	14/10/2019 23:20
केतु	23/02/2019 07:44	शुक्र	26/05/2019 04:25	सूर्य	15/08/2019 21:37	चंद्र	17/10/2019 22:21
शुक्र	08/03/2019 20:24	सूर्य	31/05/2019 00:05	चंद्र	23/08/2019 02:05	मंगल	20/10/2019 00:04
सूर्य	12/03/2019 21:48	चंद्र	08/06/2019 00:51	मंगल	28/08/2019 02:49	राहु	25/10/2019 07:54
चंद्र	19/03/2019 16:08	मंगल	13/06/2019 15:48	राहु	10/09/2019 01:17	गुरु	30/10/2019 01:32
मंगल	24/03/2019 09:46	राहु	28/06/2019 02:47	गुरु	21/09/2019 13:15	शनि	04/11/2019 16:29
राहु	05/04/2019 13:58	गुरु	10/07/2019 23:13	शनि	05/10/2019 04:58	बुध	09/11/2019 17:13

चंद्र - सूर्य - सूर्य		चंद्र - सूर्य - चंद्र		चंद्र - सूर्य - मंगल		चंद्र - सूर्य - राहु	
09/11/2019 17:13		18/11/2019 20:22		04/12/2019 01:37		14/12/2019 17:17	
18/11/2019 20:22		04/12/2019 01:37		14/12/2019 17:17		11/01/2020 02:44	
सूर्य	10/11/2019 04:10	चंद्र	20/11/2019 02:48	मंगल	04/12/2019 16:32	राहु	18/12/2019 19:54
चंद्र	10/11/2019 22:26	मंगल	21/11/2019 00:06	राहु	06/12/2019 06:53	गुरु	22/12/2019 11:34
मंगल	11/11/2019 11:13	राहु	23/11/2019 06:54	गुरु	07/12/2019 16:58	शनि	26/12/2019 19:40
राहु	12/11/2019 20:05	गुरु	25/11/2019 07:36	शनि	09/12/2019 09:27	बुध	30/12/2019 16:48
गुरु	14/11/2019 01:19	शनि	27/11/2019 17:26	बुध	10/12/2019 21:40	केतु	01/01/2020 07:09
शनि	15/11/2019 12:01	बुध	29/11/2019 21:10	केतु	11/12/2019 12:35	शुक्र	05/01/2020 20:44
बुध	16/11/2019 19:03	केतु	30/11/2019 18:29	शुक्र	13/12/2019 07:12	सूर्य	07/01/2020 05:36
केतु	17/11/2019 07:50	शुक्र	03/12/2019 07:21	सूर्य	13/12/2019 19:59	चंद्र	09/01/2020 12:23
शुक्र	18/11/2019 20:22	सूर्य	04/12/2019 01:37	चंद्र	14/12/2019 17:17	मंगल	11/01/2020 02:44

चंद्र - सूर्य - गुरु		चंद्र - सूर्य - शनि		चंद्र - सूर्य - बुध		चंद्र - सूर्य - केतु	
11/01/2020 02:44		04/02/2020 11:08		04/03/2020 09:07		30/03/2020 06:02	
04/02/2020 11:08		04/03/2020 09:07		30/03/2020 06:02		09/04/2020 21:43	
गुरु	14/01/2020 08:40	शनि	09/02/2020 01:01	बुध	08/03/2020 01:05	केतु	30/03/2020 20:57
शनि	18/01/2020 05:11	बुध	13/02/2020 03:20	केतु	09/03/2020 13:18	शुक्र	01/04/2020 15:34
बुध	21/01/2020 15:59	केतु	14/02/2020 19:49	शुक्र	13/03/2020 20:47	सूर्य	02/04/2020 04:21
केतु	23/01/2020 02:04	शुक्र	19/02/2020 15:29	सूर्य	15/03/2020 03:50	चंद्र	03/04/2020 01:39
शुक्र	27/01/2020 03:28	सूर्य	21/02/2020 02:11	चंद्र	17/03/2020 07:35	मंगल	03/04/2020 16:34
सूर्य	28/01/2020 08:41	चंद्र	23/02/2020 12:00	मंगल	18/03/2020 19:48	राहु	05/04/2020 06:55
चंद्र	30/01/2020 09:23	मंगल	25/02/2020 04:29	राहु	22/03/2020 16:56	गुरु	06/04/2020 17:01
मंगल	31/01/2020 19:29	राहु	29/02/2020 12:35	गुरु	26/03/2020 03:44	शनि	08/04/2020 09:30
राहु	04/02/2020 11:08	गुरु	04/03/2020 09:07	शनि	30/03/2020 06:02	बुध	09/04/2020 21:43

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह गुरु (वृश्चि 20:23:01), एवं शीघ्र गति ग्रह सूर्य (कर्क 26:16:27), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग सामान्यतया अच्छा नहीं माना जाता है तथा ऐसे समय में अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अतः इसके प्रभाव से इस वर्ष में आपके भाग्योदय का मार्ग अवरूद्ध होगा तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। कार्य क्षेत्र में भी ऐसे समय में उच्चधिकारी वर्ग से परेशानियों एवं समस्याओं का सामना करना पडेगा तथा व्यापारी वर्ग को भी अधिक लाभ नहीं होगा। इसके अतिरिक्त मान सम्मान एवं प्रसिद्धि में भी अल्पता आएगी जिससे मन में असन्तुष्टि का भाव विद्यमान होगा। अतः ऐसे समय में सोचसमझकर कार्य कलाप को सम्पन्न करें।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह गुरु (वृश्चि 20:23:01), एवं शीघ्र गति ग्रह शुक्र (कर्क 26:02:50), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग सामान्यता अच्छा नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस समय आप किसी प्रतियोगी परीक्षा मुकद्दमे या चुनाव आदि में विशिष्ट सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त करेंगे। साथ ही मामा से ऐसे समय में मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। रोग या ऋण मुक्ति भी इस वर्ष में मुश्किल से ही होगी। इसके अतिरिक्त आय स्रोतों में कमी आएगी तथा धनार्जन में व्यवधान उत्पन्न होंगे। साथ ही प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण लोगो से सम्पर्कों में कमी आएगी तथा उनसे वांछित लाभ या सहयोग नहीं मिलेगा। इस वर्ष में आपकी महत्वाकाक्षांए अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी। अतः धैर्य पूर्वक समय व्यतीत करें।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो

गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश बलवान है। अतः कुत्थ योग की सृष्टि हो रही है।

इस योग के प्रभाव से इस वर्ष में आपकी आय में आशातीत वृद्धि होगी जिसके आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। इस समय आपकी महत्वाकाक्षाएं भी पूर्ण होंगी तथा विलम्बित इच्छाओं की पूति में आपको सफलता मिलेगी। साथ ही उच्चधिकार प्राप्त लोगों से आपके सम्पर्क स्थापित होंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने मे आपको सफलता मिलेगी। बडे भाई से इस वर्ष में आपको वांछित सहयोग एवं लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त शुत्रु एवं विपक्ष पर अपना प्रभाव स्थापित करने में समर्थ होंगे। इसी परिपेक्ष्य में आप कोई मुकद्दमा या चुनाव जीत सकते है या किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यो को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे साथ ही मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी तथा यदा कदा आप अशान्ति की भी अनुभूति करेंगे। इस समय मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके संबध सामान्य रहेंगे तथा अवसरानुकूल उनसे आपको अल्प मात्रा में लाभ या सहयोग प्राप्त होता रहेगा। संतति पक्ष से भी इस समय आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको सामान्य सुख एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा तथा अपने कार्यक्षेत्र में वे परिश्रम पूर्वक उन्नतिशील रहेंगे। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय मध्यम ही रहेगी तथापि आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा लेकिन यदा कदा व्यय भी की अधिकता से आप को इस क्षेत्र में परेशानी की अनुभूति हो सकती है लेकिन विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं पराक्रम से ही आपको इच्छित उन्नति एवं सफलता प्राप्त होगी परन्तु भाग्यबल की अल्पता रहेगी। अतः व्यापार आदि में नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा चलते हुए कार्य से ही सन्तुष्ट रहें। नौकरी या राजनीति में भी आपकी उन्नति की संभावनाएं रहेंगी परन्तु इनमें यदा कदा अनावश्यक विलम्ब तथा व्यवधान होगा परन्तु अन्ततोगत्वा आपको सफलता मिलेगी।शत्रुपक्ष से भी आप चिंतित रहेंगे परन्तु इनका सामना करने में आप समर्थ हो सकेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध सामान्य रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ परन्तु परिश्रमशील होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी यदा कदा आप अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस समय मित्र एवं संबंधियों से आपके संबंध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे विशेष सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। साथ ही पारिवारिक सुख शान्ति एवं समृद्धि भी मध्यम रहेगी। इस समय स्त्री से आपके संबंधों में यदा कदा तनाव रहेगा फलतः दाम्पत्य सुख में मधुरता कम रहेगी। संतति पक्ष से भी इस समय आप विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। शत्रु या विरोधी पक्ष भी इस समय प्रबल रहेगा तथा आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु उनका सामना आप दृढ़ता से करेंगे तथा उनको पराजित करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही भौतिक सुख संसाधनों की भी इस वर्ष में न्यूनता रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष परिश्रम एवं संघर्षपूर्ण रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम के द्वारा ही आप को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी पदोन्नति में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा अनावश्यक विलम्ब भी होगा। इस समय आपके अधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे फलतः उनसे विशेष सहयोग एवं लाभ नही मिलेगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें। इस समय यात्राओं से भी विशेष लाभ नहीं होगा तथा आर्थिक स्थिति भी मध्यम रहेगी। अतः परिश्रम पूर्वक अपने कार्यो को करने में तत्पर रहें।

प्रथम मास

13/08/2019 15:53:59 से 13/09/2019 17:13:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	12:27:53
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	26:16:27
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:15:40
मंगल		सिंह	मघा	02:49:59
बुध		कर्क	पुष्य	07:48:45
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:23:01
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	26:02:50
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:46:47
राहु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:17:58
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:17:58
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:23:23

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

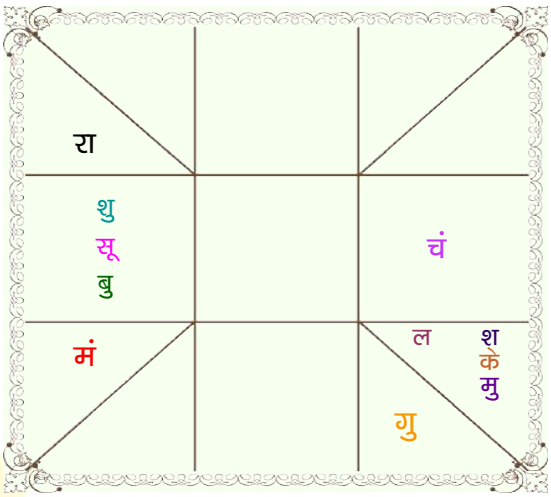

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रुधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास

13/09/2019 17:13:00 से 14/10/2019 06:47:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	धनिष्ठा	06:31:40
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:16:27
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	18:38:17
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:36:13
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:27:15
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:59:59
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:31:39
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:48:05
राहु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:25:51
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:25:51
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:53:23

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

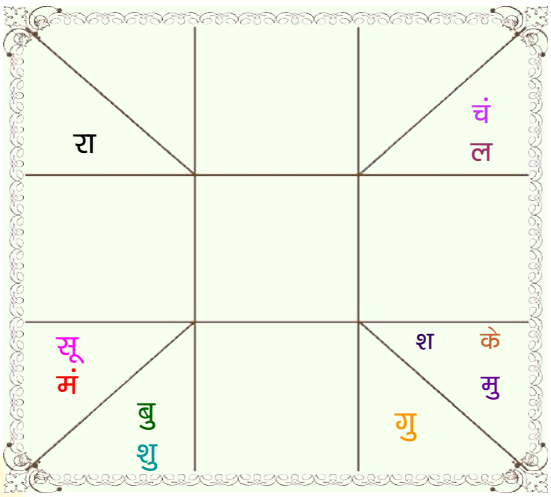

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आप पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करेंगे। आपका स्वास्थ्य इस मास अच्छा रहेगा तथा किसी भी प्रकार से शारीरिक या मानसिक अस्वस्थता नहीं रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि बढ़ेगी तथा मित्र वर्ग से सम्बन्धों में मधुरता रहेगी एवं उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही वांछित द्रव्य पदार्थों का उपभोग करके आप प्रसन्नता को प्राप्त करेंगेत संतति पक्ष से भी आपको शुभ फल ही प्राप्त होंगे तथा किसी प्रकार से चिन्ता नहीं रहेगी। मित्रों तथा सम्बन्धियों में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित होगी। फलतः आप आनंदपूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

इसके साथ ही आप पुत्र एवं स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा विद्याध्ययन में भी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या द्रव्य आदि की भी आपको उपलब्धि हो सकती है। इस प्रकार आप शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

तृतीय मास

14/10/2019 06:47:38 से 13/11/2019 08:00:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	04:29:56
सूर्य		कन्या	चित्रा	26:16:27
चन्द्र		मीन	रेवती	28:12:27
मंगल		कन्या	हस्त	12:14:13
बुध		तुला	विशाखा	20:02:54
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:01:26
शुक्र		तुला	स्वाति	12:30:39
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:19:15
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	18:00:48
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:00:48
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:23:23

मासाधिपति

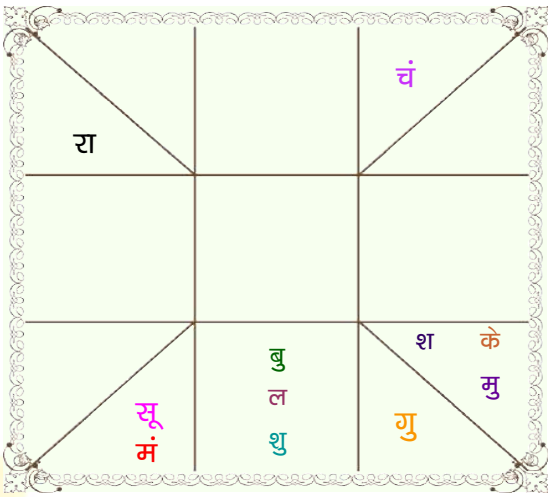

मासाधिपति : चन्द्र

इस महीने में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों के मध्य यशार्जन करने में भी आप समर्थ रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना विद्यमान रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। साथ ही अन्य जनों का परोपकार करने के लिए भी आप उद्यत रहेंगे। आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा किसी भी प्रकार से आप शारीरिक या मानसिक कष्ट प्राप्त नहीं करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनके आश्रय से समाज में ख्याति अर्जित करेंगे।मित्र एवं भाइयों से इस मास आपको उचित सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इस समय आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं जिससे आपको लाभ होगा। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र तथा द्रव्यों को भी आप प्राप्त करेंगे या इनसे युक्त होंगे। अतः यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं आनंददायक रहेगा।

चतुर्थ मास

13/11/2019 08:00:44 से 12/12/2019 23:30:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:10:02
सूर्य		तुला	विशाखा	26:16:27
चन्द्र		वृष	कृतिका	02:33:24
मंगल		तुला	चित्रा	01:47:26
बुध	व	तुला	विशाखा	22:52:57
गुरु		धनु	मूल	01:38:15
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	19:50:52
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:12:43
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	15:12:22
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:12:22
मुंथा		धनु	उत्तराषाढ़ा	28:53:23

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

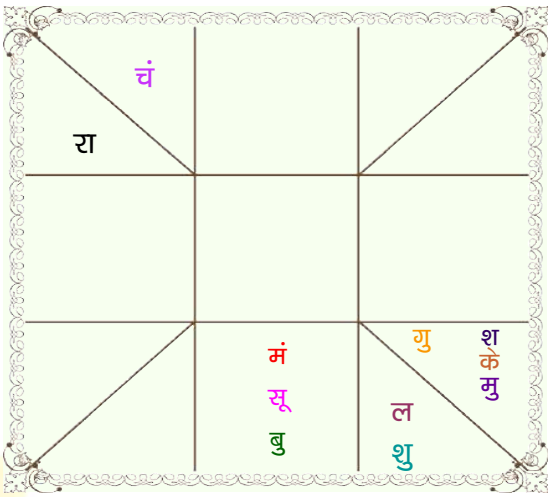

इस मास को आप सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे इस समय आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ता प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे तथा स्वयं भी उनको अपना वांछित सहयोग प्रदान करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग का आपको पूर्ण संरक्षण तथा आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उचित लाभ एवं सहायता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही इस महीने में आप मिष्ठान का भक्षण अधिक मात्रा में करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ भी अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे चिन्तित एवं भय की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्य के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अपने श्रेष्ठ जनों या उच्चाधिकारियों से सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति या विस्तार होने की सम्भवाना बढ़ेगी। इस समय आप दूर समीप की यात्रा भी कर सकते हैं तथा नवीन वस्तुओं या वस्त्रों आदि की भी आपको प्राप्ति हो सकेगी।

पंचम् मास
12/12/2019 23:30:43 से 11/01/2020 10:20:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:45:03
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:16:27
चन्द्र		मिथुन	मृगशिरा	02:51:36
मंगल		तुला	विशाखा	21:22:20
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	10:45:36
गुरु		धनु	मूल	08:07:07
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:34:52
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:04:52
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	14:15:35
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:15:35
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:23:23

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

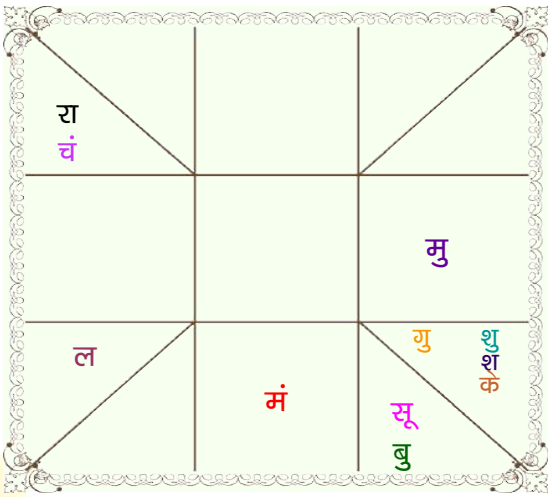

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः आप शारीरिक रूप से दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से उनकी तरफ से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे अतः मन में भी अशान्ति रहेगी। आपके घर में इस मास चोरी भी हो सकती है अतः चोरों से सावधान रहें। साथ ही अपने उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे तथा धन का व्यय भी अनावश्यक तथा अधिक होगा।साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा।संबधियों एवं मित्रों से आपके संबधों में तनाव रहेगा एवं समाज से भी आप अपने को उपेक्षित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी ।

साथ ही इस समय आप वातोत्पन्न रोगों से भी पीड़ित रहेंगे। अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त करेंगे अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

षष्ठ मास

11/01/2020 10:20:24 से 09/02/2020 22:39:05 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:22:56
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:16:27
चन्द्र		कर्क	पुनर्वसु	01:27:45
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	11:07:45
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:37:20
गुरु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:52:52
शुक्र		कुम्भ	धनिष्ठा	02:44:16
शनि		धनु	उत्तराषाढ़ा	28:27:55
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	14:18:06
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:18:06
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:53:23

मासाधिपति

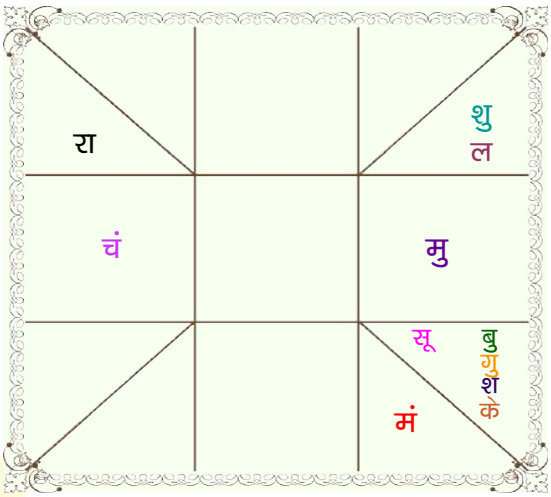

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा। अतः इस समय आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। आप का इस मास में व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी प्राप्त होगी। साथ ही स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अपने ही परिश्रम से सिद्ध हो सकेंगे फिर भी आपको पूर्ण सन्तुष्टि नहीं मिलेगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि के योग बनेंगे। मित्रों एवं संबधियों के मध्य आपके संबधों में तनाव रहेगा तथा इनसे आवश्यक सुख तथा सहयोग भी नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उसमें अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। शत्रुओं से भी आपके हृदय में नित्य चिन्ता तथा भय का वातावरण बना रहेगा। साथ ही महत्वपूर्ण कार्यो में भी मनोवांछित सिद्धि नहीं मिलेगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप अपने श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी उन्नति के अवसर बनेंगे। इस मास में आपकी यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे।

सप्तम् मास
09/02/2020 22:39:05 से 10/03/2020 18:15:07 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	29:45:03
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	26:16:27
चन्द्र		सिंह	मघा	01:49:20
मंगल		धनु	मूल	01:13:17
बुध		कुम्भ	शतभिषा	14:25:15
गुरु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:23:51
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	08:04:20
शनि		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:53:58
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	13:34:09
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:34:09
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:23:23

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

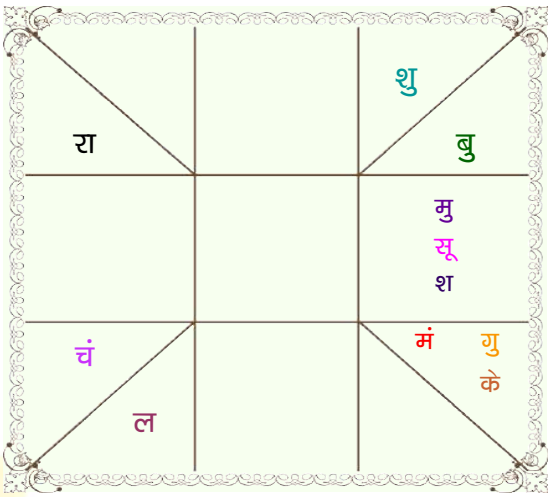

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रदाता रहेगा तथा अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से होते रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी लाभ अर्जित करेंगे। आपके सामाजिक प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करके आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इस मास में आपके महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे तथा कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना भी उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित सहयोग तथा सम्मान भी अर्जित करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी आप मुक्त होंगे।

परन्तु शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी एवं आपको इसके लिए पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आप अग्नि द्वारा भी किसी प्रकार की धन हानि को प्राप्त करेंगे। अतः सोच समझकर अपने सभी कार्यों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास

10/03/2020 18:15:07 से 10/04/2020 01:11:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:43:53
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:16:27
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:35:37
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:46:35
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	04:05:04
गुरु		धनु	उत्तराषाढ़ा	27:05:39
शुक्र		मेष	अश्विनी	11:43:39
शनि		मकर	उत्तराषाढ़ा	04:54:54
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	11:02:29
केतु	व	धनु	मूल	11:02:29
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:53:23

मासाधिपति

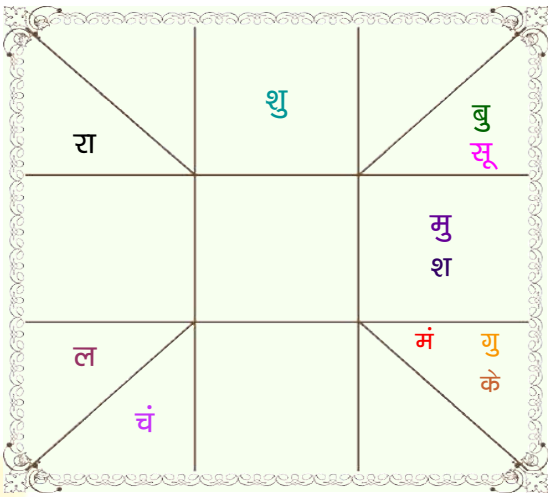

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिये सामान्यतया अशुभ रहेगा। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस समय आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे तथा उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति तथा उद्विग्नता विद्यमान रहेगी। साथ ही इस मास में आपके धर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय आपको पूर्ण सहयोग रखना चाहिए तथा उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा आप दण्डित भी किए जा सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे एवं धन का व्यय भी अनावश्यक रूप में होता रहेगा। अतः आर्थिक दृष्टि से भी आप शिथिल हो सकते है। साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आप को बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबधियों से आपके संबधों में भी इस समय तनाव का वातावरण रहेगा तथा समाज से भी आप उपेक्षा प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पितजनित रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा दुर्घटना अदि से भी शरीर में रक्त विकार की संभावना हो सकती है। इसके अतिरिक्त इस समय अग्नि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
10/04/2020 01:11:20 से 10/05/2020 20:37:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	उत्तराषाढ़ा	28:18:18
सूर्य		मीन	रेवती	26:16:27
चन्द्र		तुला	विशाखा	20:35:17
मंगल		मकर	श्रवण	12:48:52
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	03:42:24
गुरु		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:15:47
शुक्र		वृष	रोहिणी	11:09:37
शनि		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:01:56
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	07:40:09
केतु	व	धनु	मूल	07:40:09
मुंथा		मकर	श्रवण	11:23:23

मासाधिपति

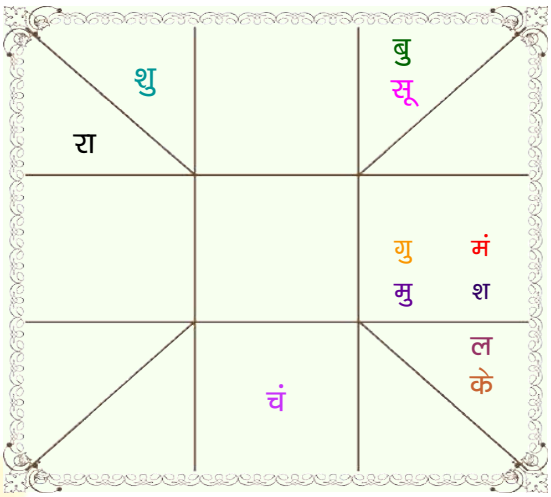

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दशम् मास

10/05/2020 20:37:11 से 11/06/2020 02:18:05 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	22:31:45
सूर्य		मेष	भरणी	26:16:27
चन्द्र		धनु	मूल	09:00:39
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	04:07:10
बुध		वृष	कृतिका	03:07:32
गुरु		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:04:44
शुक्र		वृष	मृगशिरा	27:34:04
शनि		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:49:13
राहु		मिथुन	मृगशिरा	05:30:46
केतु		धनु	मूल	05:30:46
मुंथा		मकर	श्रवण	13:53:23

मासाधिपति

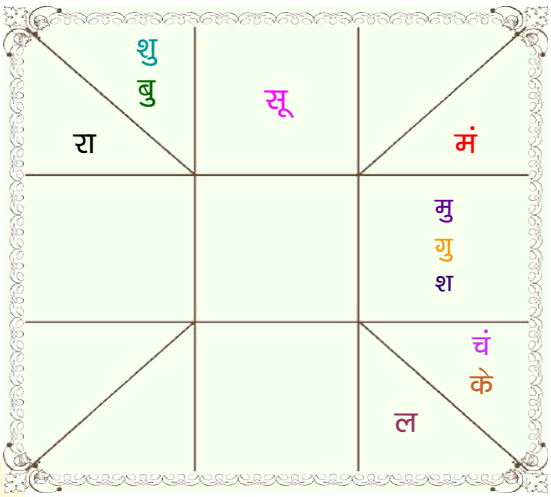

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे ।साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

एकादश मास

11/06/2020 02:18:05 से 12/07/2020 13:01:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	02:44:27
सूर्य		वृष	मृगशिरा	26:16:27
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	29:16:36
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:02:13
बुध		मिथुन	आर्द्रा	18:35:48
गुरु	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	01:57:29
शुक्र	व	वृष	रोहिणी	15:12:35
शनि	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	07:04:56
राहु		मिथुन	मृगशिरा	05:00:07
केतु		धनु	मूल	05:00:07
मुंथा		मकर	श्रवण	16:23:23

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

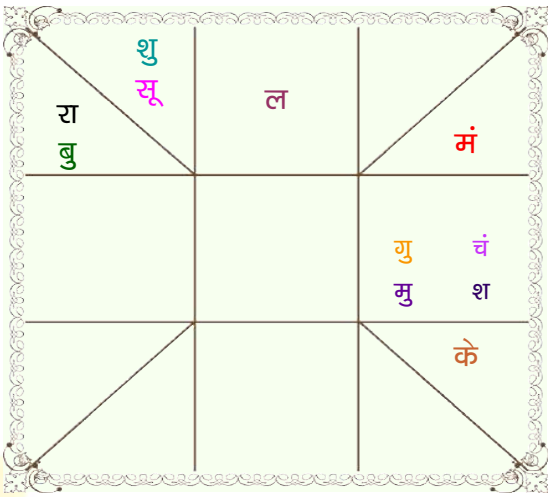

इस महीने में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा सामाजिक एवं पारिवारिक जनों से यथोचित मान सम्मान प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सम्मान अर्जित करेंगे जिससे आपके महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे एवं वांछित लाभ भी प्राप्त होगा। मित्रों एवं बन्धु जनों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। आपके शुभ कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करने के लिए तत्पर रहेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे एवं बन्धु तथा मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आप की मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अल्प मात्रा में अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा की दृष्टि से मास में पूर्ण सतर्क रहें तथा अन्य कार्यो को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

द्वादश मास

12/07/2020 13:01:54 से 12/08/2020 22:06:56 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	06:14:18
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	26:16:27
चन्द्र		मीन	रेवती	19:00:41
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	14:09:26
बुध	व	मिथुन	आर्द्रा	11:21:12
गुरु	व	धनु	उत्तराषाढ़ा	28:27:33
शुक्र		वृष	रोहिणी	16:05:01
शनि	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	05:08:08
राहु	व	मिथुन	मृगशिरा	04:45:56
केतु	व	धनु	मूल	04:45:56
मुंथा		मकर	श्रवण	18:53:23

मासाधिपति

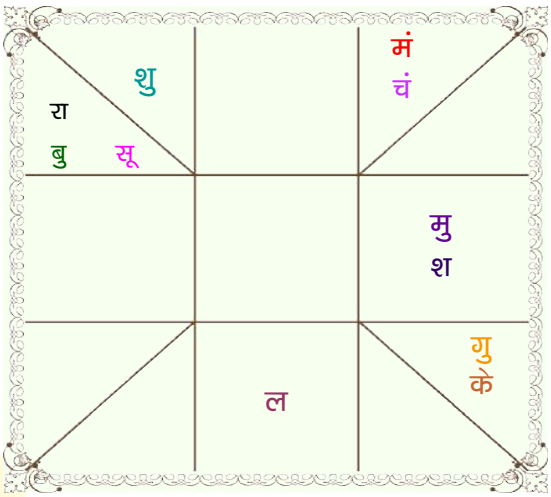

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु भी आपसे अधिक बलवान होंगे अतः उनकी ओर से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके व्यापार आदि कार्यो में मन्दी रहेगी तथा नौकरी आदि में भी अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। साथ ही आप किसी कार्य को परिवर्तन कर सकते है या कोई कार्य छूट भी सकता है। समाज में दूसरे लोगों के साथ आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता परिलक्षित होगी। इसके अतिरिक्त आपके इस मास में धन हानि के योग बनेंगे तथा शरीर किसी नवीन रोग से पीड़ित हो सकता है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यो को सोच समझ कर सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री तथा पुत्र से आप सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता से धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा आपके इन विचारों से समाज से आप वांछित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त कर सकेंगे।